मनुष्य की उदासी की शुरुआत

बाइबल, भगवान का वचन की एक कहानी

में पायी गयी

उत्पति 3-6

□तारा शब्द को प्रवेश प्रकाश करे□
भजन 119:130

23

मनुष्य की उदासी की शुरुआत

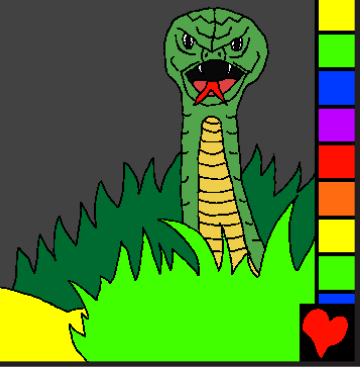

का द्वारा रचति: Edward Hughes
का द्वारा नरि्देशति: Byron Unger; Lazarus Alastair Paterson

का द्वारा अनुवाद: www.christian-translation.com
का द्वारा अपनाई: M. Maillot; Tammy S.

2 से 60 तक की कहानी

M1914.org

Bible for Children, PO Box 3, Winnipeg MB R3C 2G1 Canada

अनुज्ञापत्र: जब तक तू इनी बेचो, तारे इस कहानी के कॉपी या प्रटिकरने को अधकिार है।

भगवान जाने से कि हमने बुरे काम करि है,
जिने व पाप बोले। पाप का सजा मौत स।

भगवान हमार से बहुत प्यार करे उन्न अपना बेटा, यीशु के एक क्रोस प मरने और हमारे दंड का भुगतान करने क लिए भेजओ। यीशु जीवित आयोऔर स्वर्ग वापस चल गयो अब भगवान हमारा पाप को माफ कर सकता है।

अगर तुम तारा पापा न कम करनो चाहो हो , तो भगवान से य बोलो: प्रिय भगवान, म्हारो मान्नओ कि यीशु मार लिये मरा है और अब वि फिर से जिंदा स। कृपया मारा जिवन मे आओ और मारा पाप की क्षमा करो, जिससे मैं अब नयो जीवन जी सकूं, और फिर हमेशा का लिए तार साथ रु। अपना बच्चा का रुप मे तार लिये जिने मे मारी मदद करो। तथास्तु। जॉन 3:16

बाइबल पढो और हर दिन भगवान सू बात करो!

Gujri

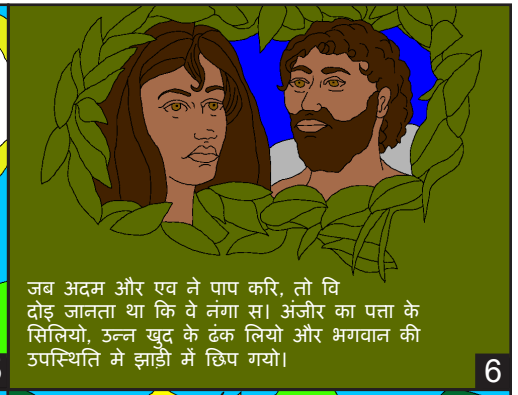

□कइ भगवान ने तमारे हर पेड़ के न खाने क लिये बोलियो सा□" सर्प ने एव से पूछीओ। □हम हर फल खई सकता हैं लेकिन एक□' उन्न जवाब दियो। □अगर हम उस फल के खाये या छुआ, तो हम मर जाएंगा।" "तम नी मरोगा□' नागिन नेमुस्कुराते हुए बोलियो।
3
□तुम भगवान कि तरह बन जाओगा।" एव उस पेड़ का फल चाहती थी। उन सर्प की बात सुनी और फल खा लियो।
4
एव ने ईश्वर की अवज्ञा का बाद उन्न अडम के फल खाने क लिए प्रेरित करि। अडम के केनो चिये सो, □न! मैं परमेश्वर का वचन की अवज्ञा न करूंगा।□
5
जब अदम और एव ने पाप करि, तो वि दोइ जानता था कि वे नंगा स। अंजीर का पत्ता के सिलियो, उन्न खुद के ढंक लियो और भगवान की उपस्थिति मे झाड़ी में छिप गयो।
6
शाम की सर्दी में भगवान बगीचे में आयो। व जानता था कि अदम और एव ने के करियो है । एडम ने ईव के दोषी ठहरादी। एव ने सर्प के दोषी ठहरायो। भगवान ने बोलिओ, □साप शापित है। जब बच्चा पैदा होवेला तो ओरत के दर्द होयेला।□
7
□अडम, क्योंकि तने पाप करियो है, पृथ्वी कांटा और कंठ से शापित हुइ गया स। तम तारा दैनिक भोजन पाबा क लिए शौचालय और पसीनो बहाओगा।□
8
भगवान ने अडम और एव के अद्भुत बाग से बाहर निकाल दिओ। क्योंकि उन पाप करि सो । वि जीवन देने वाला भगवान से अलग हुइ गया□
9
भगवान ने उन बाहर रखने का लिए एक धधकती तलवार बनई। परमेश्वर ने अडम और एव का लिए त्वचा को कोट बनायो। भगवान ने खाल कहाँ से ली□
10
थोडा समय क बाद, अडम और एव यहा एक परिवार को जन्म हुओ। उनका पहलो बेटो कैन, एक माली सो। उनको दूसरो बेटो अबेल, एक चरवाहो सो।
11
एक दिन कैन ने भगवान के उपहार क रूप में कुछ सब्जियाँ दीं। अबल उकि भेड़ में से कुछ बहुत अच्छी भेड परमेशवर क लिए उकि तरफ से भेंट का रूप में लायो। अबेल का उपहार से भगवान खुश हुयो।
12
कैन का उपहार से भगवान खुश न सो। कैन के बहुत गुस्सो आयो। लेकिन भगवान ने बोलियो, □अगर तू जो सहि है उ कर, तू कइ तम स्वीकार न किया जाओला□□
13
कैन को गुस्सो दुर न हुओ कुछ समय बाद मैदान में उन अबेल पे हमलो करियों □ और उन मार डालि।
14
भगवान ने कैन से बात करी। □तरो भई अबेल कहा है□" "महाने नि मालुम□' कैन झूठ बोलि। □कइ मे म्हारा भइ को रखवालो सु□" परमेश्वर ने कैन कि उकी खेती करने की क्षमता के छीन के उके पथिक बनइ दिओ।
15
कैन भगवान की उपस्थिति से बाहर चली गयो। उकी शादी अडम और एव की एक बेटी से हुइ। उन्ने एक परिवार को पालन-पोषण करि। जल्दी, कैन का पोता और परदादा ने उस शहर क भर दिया, जिन्ने उके स्थापित करियो सो।
16
उक बाद, एडम और ईव को परिवार जल्दी से बढ़ गयो। उस समय, लोग आज की तुलना में बहुत लम्बा समय तक जिव सा।
17
जब उका बेटा सेठ को जनम हुओ, तो एव ने बोलि, □ईश्वर ने म्हारा एबेल के बदलबा क लिए सेठ दियो।" सेठ एक धर्मी व्यक्ति सो जो 912 साल तक जिंदो सो और उका कई बच्चा सा।
18